यीशु ने एक व्यक्ति को चंगा किया और उसे इसके विषय बताने के लिये घर भेज दिया।

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु कृपया इस अध्ययन को बच्चों या उनके शिक्षकों की सहायता के लिये इस्तेमाल करें कि वे आपके विषय उस तरीके से जो समझने में आसान है दूसरों को बता सकें"।

बच्चों की इन सीखने वाली गतिविधियों में से कोई चुन ले जो उनकी आयु व हाल की आवश्यकताओं में सही बैठता है।

एक शिक्षक या बड़ा बच्चा **लूका 8:26-34** से पढ़े या इसकी कहानी को अपनी याद से बतायें उस व्यक्ति के विषय जिसे दुष्ट आत्मा सताया करता था। यह बताता है कि यीशु ने किस प्रकार उसको चंगा किया और उसे घर भेज दिया कि वह अपने परिवार और मित्रों को बताये कि परमेश्वर ने उसके लिये क्या किया।

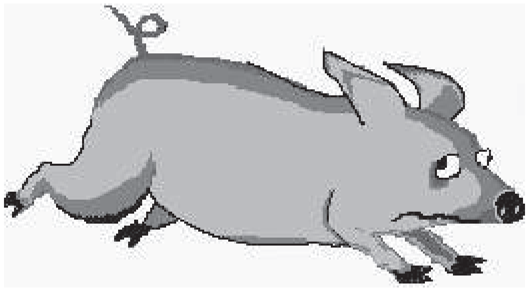

कहानी बताने के बाद इन प्रश्नों को पूछें *(उत्तर हर प्रश्न के पीछे हैं)*

- जब दुष्टात्मा ग्रस्त व्यक्ति ने यीशु को देखा तो उसने क्या किया? *(पद 28 देखें)*
- क्यों उस आदमी ने कहा कि उसका नाम सेना है? *(पद 30)*
- व्यक्ति को छोड़ने के बाद दुष्ट आत्मा कहां गई? *(पद 33)*
- सुअरों को क्या हुआ? *(पद 33)*
- आदमी को दुष्ट आत्माओं से स्वतंत्र करने के बाद यीशुने उसे कहां भेजा? *(पद 39)*
- यीशु ने स्वतंत्र किये व्यक्ति से क्या करने को कहा? *(पद 39)*

महत्वपूर्ण नोट: परमेश्वर के विषय लोगों को सिखाने का अच्छा तरीका ये है कि साधारण तरीके से बतायें कि यीशु ने आपके लिये क्या किया। इसे इसी तरह से बतायें कि जैसे एक अच्छी खबर बताते हैं जैसे कि एक कीमती मोती को पा लेना।

उस व्यक्ति का जिसे यीशु ने चंगा कर घर भेज दिया उसकी कहानी के हिस्से को नाटक का रूप दे दें।

- इस नाटक की प्रस्तुति के लिये कलीसिया के मुख्य अगुवे के साथ प्रबन्ध करें। पूरे हिस्से को इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है।
- नाटक तैयार करने के लिये बच्चों के साथ अपना समय इस्तेमाल करें। बड़े बच्चों को इसे तैयार करने में मदद करने दें।
- बड़े बच्चे या बड़ों को चंगा किये व्यक्ति की भूमिका करने दें पवित्र और प्रवक्ता जो कहानी का सारांश कहते हैं और बच्चों की सहायता करते है कि क्या कहना और क्या करना है।

किसी भी नाटक को करने के लिये यदि काफी बच्चे नहीं है तो पड़ोस के बच्चों को मदद की लिये कहें या प्रवक्ता कहें, कि कहानी में कौन व्यक्ति है और उसका भाग पढ़े।

- छोटे बच्चों को परिवार और मित्रों की तस्वीर बनाने दें।

प्रवक्ताः लूका 8:26-31 पढ़ता है या याद से कहानी बताता है। तब कहता है, "सुनो चंगा हुआ व्यक्ति क्या कहता है"

चंगा हुआ व्यक्तिः "मेरे परिवार और मित्रों मैं आप लोगों को ये बताने आया घर हूँ कि यीशु नासरी ने मेरे लिये कितने बड़े काम किये हैं!"

परिवार और मित्रः दौड़कर इस व्यक्ति के चारों और इकठ्ठा होते हैं। ऐसी बातें कहते हैं "देखो, वह अपने सही दिमाग में है!" उसने सही तरह से कपड़े पहने हैं "वह सामान्य रूप से बातें कर सकता है!" ये सब किस ने किया?"

पत्नीः "पति आप सनकी थे! आप कब्रों के बीच में सोये! आप ने अपने आप को ज़ख्मी किया।"

परिवार और मित्रः वे इस प्रकार कहते हैं "पापा क्या हुआ?"

"आप "सेना" कहलाते थे, जबकि बहुत सी दुष्ट आत्माएं आप में समा गई थी!"

"हमने सोचा हम आप को फिर कभी नहीं देखेंगे"

"हमने आपकी कमी महसूस की!"

चंगा हुआ व्यक्तिः "नासरत का यीशु आया और उसने दुष्ट आत्माओं को दूर भगा दिया वे सुअरों के बड़े झुण्ड में चली गई और सुअर दौड़कर सब झील में डूब मरे"

पत्नीः "मैं यीशु को देखने जाना चाहती हूँ!"

चंगा हुआ व्यक्तिः "उसने मेरे लिये अद्भुत काम कियें मैं उसके साथ जाना चाहता था पर उसने मुझे उसके विषय तुम सब को बताने के लिये घर भेज दिया, वह तुम से भी प्रेम करता है"

प्रवक्ताः जितनों ने सहायता की उनको धन्यवाद देता है।

प्रश्नः यदि बच्चे इस कहानी को बड़ों के लिये नाटक के रूप देते हैं, तो उन्हें उन से जो ऊपर प्रश्न दिये गये पूछने दीजिये।

बच्चों से कहें कि वे दूसरे उदाहरण के विषय बतायें जो यीशु ने हमारे लिये किये हैं जो हम दूसरों को बता सकें।

किसी की साधारण तस्वीर अखबार पढ़ते हुए बतायें। बच्चों को उसकी नकल करने दें।

- वे अगले आराधना के समय अपनी तस्वीरें बड़ों को दिखा सकते हैं।
- उन्हें बताने दें कि ये प्रगट करता है कि हमारे पस बताने को सुसमाचार है, कि यीशु ने शैतान की सारी सेना पर विजय प्राप्त की है, जिसमें दुष्ट आत्माएं और मृत्यु भी शामिल है।

रोमियों 5:8 कंठस्थ करें।:

कविता: तीन बच्चे कोई भी दो पदों को भजन 8:1-5 से कविता पाठ करें।

बड़े बच्चों को हमारे परिवार और मित्रों को यीशु के उद्धार बताते हुए गीत और कविताएं लिखने दें।

प्रार्थना: प्रिय प्रभु, हमें प्रेम करने लिये और हमें दुष्ट और मृत्यु से बचाने के लिये आपकी स्तुति प्रशंसा करते हैं। आप के विषय दूसरों को इस प्रकार बताने के लिये कि बिल्कुल साफ हो जाये उसमें हमारी सहायता कर"।